Cost Push Inflation

वर्तमान अर्थव्यवस्था कीमत वृद्धि का मुख्यकारण उत्पादन लागत में वृद्धि मानते हैं। जब लागत बढ़ती है तो कीमत भी बढ़ जाती है। लागत बढ़ने का मुख्य कारण यह है कि उत्पत्ति का प्रत्येक साधन अपना मूल्य बढ़ाकर राष्ट्रीय आय के वितरण में अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है। श्रम संघ मजदूरी बढ़ाने के लिए दबाव डालते हैं और उत्पादक अपने लाभ में वृद्धि करना चाहते हैं। जहाँ तक संभव हो सके, सरकार भी करों में वृद्धि करना चाहती है। परन्तु लागत का मुख्य भाग तो श्रम को दी गयी मजदूरी में होता है और शक्तिशाली श्रम संघ अधिक मजदूरी प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं। इसप्रकार Cost push inflation मुख्यतः मजदूरी प्रेरित स्फीति हो जाती है।

स्फीति बढ़ी हुई मजदूरी के अतिरिक्त बढ़े हुए लाभ का भी परिणाम हो सकती है। दोनों प्रकार की वृद्धि से लागत बढ़ती है जिससे कीमतें बढ़ जाती है। Cost push inflation को निम्नलिखित चित्र से स्पष्ट किया जा सकता है —

चित्र Next page पर है —

उपरोक्त चित्र में कुल मांग तथा पूर्ति को OX तथा कीमत-स्तर को OY रेखा पर दिखाया गया है। AD कुल मांग की रेखा है तथा A_1S, A_2S तथा A_3S कुल पूर्ति की रेखाएँ है।

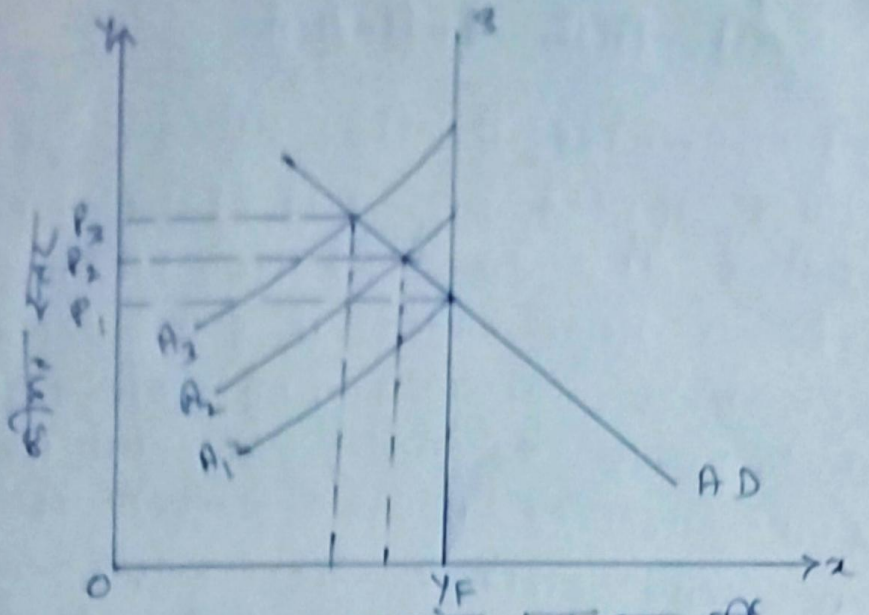

कुल मांग तथा कुल पूर्ति

जो कि पूर्ण रोजगार स्तर पर खड़ी हो जाती है। लागत वक्र से पूर्ति रेखा ऊपर उठती है जिससे कीमत भी बढ़ जाती है। OP_1 कीमत स्तर का सम्बन्ध पूर्ण रोजगार की स्थिति से है जो कि मांग और पूर्ति रेखाओं के कटाव के बिन्दु पर OY_F के बराबर है। यदि लागत और अधिक अधिक बढ़ती है तो पूर्ति-वक्र और ऊपर उठकर A_3S हो जाता है जहाँ कीमत बढ़कर OP_3 हो जाती है।

व्यवहारिक रूप में यह निश्चित करना आवश्यक होता है कि किसी स्फीति को उत्पन्न करने वाले तत्व मांग प्रेरित है अथवा लागत प्रेरित। ऐसा लगता है कि मांग और लागत दोनों ही स्फीति उत्पन्न करने में सम्मिलित रूप में कार्य करते है। यदि मांग में वृद्धि होने पर कीमत बढ़ती है तो मजदूर अपनी मजदूरी को ऊँचा करना चाहेंगे। यदि मजदूरी बढ़े तो अपने लाभ

अपने लाभ को पहले के स्तर पर बनाये रखने के लिए साहसी कीमतें बढ़ाते जायेंगे। इस प्रकार मांग प्रेरित स्फीति द्वारा लागत प्रेरित स्फीति उत्पन्न किये जा सकते है। और लागत प्रेरित स्फीति द्वारा मांग प्रेरित स्फीति उत्पन्न किये जा सकते है। मांग प्रेरित स्फीति एंव लागत प्रेरित स्फीति में निम्न अन्तर है —

Demand pull inflation में मूल्य में वृद्धि अतिरिक्त मांग का परिणाम है।

जबकि cost push inflation में मूल्यों में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि का परिणाम है।

Demand pull inflation पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत होता है।

cost push inflation पूर्ण प्रतियोगिता की अवस्था में स्थित नही होता है।

Demand pull inflation पर नियंत्रण मौद्रिक एंव वित्तिय नीतियों द्वारा किया जा सकता है।

जबकि cost push inflation में मौद्रिक एंव वित्तिय शक्तियों द्वारा इसका निवारण करना बहुत ही कठिन है।

Dr Sandhya Rai
Theory of inflation
Part II